हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

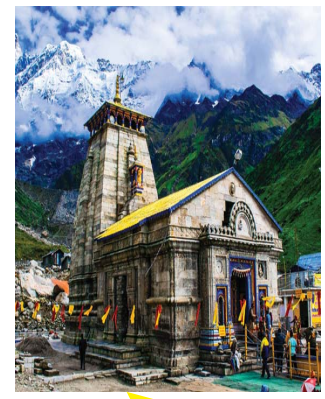

वर्ष:5 अंक:39 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बिजली चोरी पर जीरो टॉलरेंस की नीति, सख्त निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं उपभोक्ता केंद्रित बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पिटकुल) की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गत वर्षों में पूर्ण की गई परियोजनाओं की उपलब्धियों, एडीबी एवं नॉन-एडीबी पोषित परियोजनाओं, मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत शिलान्यासित कार्यों, आरईसी/पीएफसी वित्तपोषित योजनाओं तथा वर्ष 2025-26 की प्रस्तावित योजनाओं पर गहन चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि विद्युत वितरण लॉस को न्यूनतम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्युत चोरी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वितरण तंत्र में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकालीन सीजन को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री ने यूजेवीएनएल, पिटकुल एवं यूपीसीएल को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं की औपचारिकताएं मार्च माह तक पूर्ण कर ली जाएं और अप्रैल में उनका शुभारंभ सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। सीएसआर मद में प्राप्त धनराशि के पारदर्शी एवं रचनात्मक उपयोग के लिए पृथक खाता खोलने के निर्देश दिए गए। एडीबी पोषित द्वितीय चरण की परियोजनाओं–बहादराबाद (हरिद्वार), कोटद्वार (पौड़ी), भिकियासैंण (अल्मोड़ा), कपकोट (बागेश्वर) एवं नंदप्रयाग (चमोली)–में भूमि आवंटन की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत सभी शिलान्यासित परियोजनाओं की सतत निगरानी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

पिटकुल के प्रबंध निदेशक पी.सी. ध्यानी ने अवगत कराया कि आरईसी द्वारा पिटकुल की क्रेडिट रेटिंग+ से++ किए जाने से ऋण पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट प्राप्त होगी, जिससे उपभोक्ताओं को कम टैरिफ का लाभ मिलेगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पिटकुल द्वारा 1243 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक लाभांश राज्य सरकार को प्रदान किया गया। विगत चार वर्षों में 22 परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं, जिनमें 12 क्षमता वृद्धि से संबंधित हैं।

वर्तमान में एडीबी पोषित 220 एवं 120 केवी उपकेंद्र मंगलौर, सेलाकुई, आराघर, खटीमा, धौलाखेड़ा, लोहाघाट एवं सरवरखेड़ा में प्रगति पर हैं, जबकि नॉन-एडीबी पोषित 400, 220 एवं 132 केवी उपकेंद्र पीपलकोटी, घनसाली, बनबसा, रानीहाट, ऋषिकेश, अल्ट्राटेक एवं सिमली में निर्माणाधीन हैं।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु एवं आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, सी. रवि शंकर, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, विनय शंकर पाण्डेय, प्रबंध निदेशक उत्तराखंड जल विद्युत निगम डॉ. संदीप सिंघल तथा प्रबंध निदेशक यूपीसीएल अनिल कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

मोदी पर ट्रंप के वीडियो पर उचित कार्रवाई करेगा भारत : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वीडियो से अनभिज्ञता जतायी है जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति यह कहते सुने जा सकते हैं कि 'वह श्री मोदी का राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते' लेकिन साथ ही कहा है कि अगर ऐसा वीडियो है तो उस पर उचित कार्रवाई की जायेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा , ' आप जिस वीडियो की बात कर रहे हैं, मैंने उसे नहीं देखा है। यदि इस प्रकार का कोई वीडियो है, चाहे वह सही हो या गलत, हम उस पर उचित कार्रवाई करेंगे। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया में श्री ट्रंप का यह वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि वह श्री मोदी से प्रेम करते हैं लेकिन यह कहकर उनका राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते। एपस्टीन फाइल से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा , 'जहां तक एपस्टीन फाइल का प्रश्न है, आपने हमारा बयान देखा होगा। हम इसी मंच से उस विषय पर लिखित और मौखिक दोनों प्रकार के बयान दे चुके हैं। आप उस बयान का संज्ञान लें।

निशिकांत दुबे ने दिया राहुल की सदस्यता रद्द करने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य निशिकांत दुबे ने सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने तथा उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग करते हुए लोकसभा में एक प्रस्ताव दिया है। दुबे ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि श्री गांधी ने संसद में गलत आरोप लगाकर देश को गुमराह करने का काम किया है। उनका कहना था कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से उनके प्रस्ताव पर विचार करने और उसे चर्चा के लिये रखने का अनुरोध किया है ताकि श्री गांधी की सदस्यता को समाप्त किया जा सके और उनके चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री गांधी विदेशी दौरों में कथित रूप से सोरोस फाउंडेशन, यूएसएआईडी और फोर्ड फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से जुड़े लोगों के संपर्क में रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि श्री गांधी थाईलैंड, वियतनाम और कंबोडिया जैसे देशों की यात्राओं के दौरान 'भारत विरोधी तत्वों' के साथ मिलीभगत करते हैं। भाजपा नेता के अनुसार उन्होंने नोटिस में श्री गांधी के भाषण से आरोपों को रिकॉर्ड से हटाने तथा कुछ शब्दों का भी नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि श्री गांधी ने अपने भाषण में असंसदीय भाषा का उपयोग किया है। उनका कहना था कि यह नोटिस लोकसभा की कार्यसूची और नियमावली के अनुसार नियम 380 के तहत दिया गया है।

उत्तराखंड में 97.92% ग्रामीण परिवारों तक नल जल कनेक्शन एक प्रभावी क्रियान्वयन: त्रिवेन्द्र

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र के सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने संसद में उत्तराखंड के पहाड़ी एवं आपदा-प्रवण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति तथा जलवायु-सुनम्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय से पूछा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद पर्वतीय जिलों में मौसमी जल संकट, जल स्रोतों का क्षरण, भूस्खलन से पाइपलाइन क्षति तथा जल गुणवत्ता संबंधी चुनौतियाँ क्यों बनी हुई हैं और इनके समाधान हेतु क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

राज्य मंत्री, जल शक्ति वी. सोमण्णा ने अपने लिखित उत्तर में 11 फरवरी 2026 तक उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड में कुल 14,48,343 ग्रामीण परिवारों में से 14,18,272 परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे राज्य में कुल कवरेज 97.92 प्रतिशत तक पहुँच गई है। यह उपलब्धि जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि हरिद्वार जनपद की स्थिति भी उल्लेखनीय है। जिले के 2,49,303 ग्रामीण परिवारों में से 2,40,751

परिवारों को नल जल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जिससे 96.57 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित हुई है।

श्री वी. सोमण्णा ने कहा कि हरिद्वार सहित पूरे राज्य में शत-प्रतिशत और सतत जलापूर्ति सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। जल गुणवत्ता की दृष्टि से वर्ष 2025-26 में उत्तराखंड की प्रयोगशालाओं में 80,856 नमूनों का रासायनिक परीक्षण तथा 89,187 नमूनों का जीवाणु संबंधी परीक्षण किया गया है, जिसमें हरिद्वार जनपद में 3,309 रासायनिक तथा 3,779 जीवाणु परीक्षण संपन्न किए गए। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि उत्तराखंड की संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए गुरुत्वाकर्षण आधारित जल योजनाएँ, वर्षा जल संचयन, स्रोत संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, डिजिटल मॉनिटरिंग तथा आपदा-प्रबंधन के लिए फ्लेक्सी-फंड जैसे प्रावधानों को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कनेक्शन जल स्रोतों की दीर्घकालिक सततता और जलवायु परिवर्तन के अनुरूप मजबूत अवसंरचना विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 97.92% ग्रामीण परिवारों तक नल जल कनेक्शन, प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

श्री रावत ने कहा कि उत्तराखंड में पेयजल आपूर्ति जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ा प्रश्न है। हमारा लक्ष्य है कि पहाड़ के अंतिम घर तक स्वच्छ, सुरक्षित और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित हो।

इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय द्वारा उत्तराखंड की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि वे राज्य के हितों की पैरवी निरंतर करते रहेंगे।

अर्थव्यवस्था दुर्लभ संतुलन में, मध्य वर्ग का हुआ है विस्तार : सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में इस समय दुर्लभ संतुलन की स्थिति में है जहां उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ मुद्रास्फीति लंबे समय तक निम्न स्तर पर चल रही है। श्रीमती सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में बजट 2026-27 पर चार दिन की सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस समय बेरोजगारी दर भी निम्न स्तर पर है तथा पिछले एक दशक में करदाताओं की संख्या दोगुना होकर 12 करोड़ से ऊपर पहुंच गयी है। चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गये मुद्दों का जवाब देते हुए उन्होंने इस बात को खारिज किया कि इस समय मध्य वर्ग को दबाया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि केवल इसी आधार पर यह कहना गलत है कि मध्य वर्ग मंहगाई और ऊंचे कर के दो पाटों के बीच पिस रहा है कि व्यक्तिगत आयकर प्राप्तियां कारपोरेट कर से ऊंची हो गयी है। उन्होंने कहा कि देश में

मध्य वर्ग का विस्तार हुआ है। वर्ष 2013-14 से 2024-25 के बीच आयकर विवरण भरने वाले और कर देने वाले करदाताओं की संख्या 5.26 करोड से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है। व्यक्तिगत आयकर वसूली में पिछले सात वर्षों से साल दर साल 7.9 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है।

उन्होंने कहा, 'मिडिल क्लास दबा होता तो वह कर देने नहीं आता।' वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले बजट में 12 लाख रुपए सालाना तक की व्यक्तिगत आय पर छूट का उल्लेख करते हुए कहा कि वेतनभोगियों पर 12.75 लाख रुपये तक की आय पर कर नहीं लगता, मानक कटौती भी बढ़ा दी गई है, नये करे ढांचे को सरल बनाया गया है, जीएसटी में पिछले साल सितंबर में किये गये सुधारों से जीवन यापन की लागत कम हुई है और मुद्रास्फीति ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि 2015 से 2025 के दौरान मुद्रास्फीति का जो स्तर रहा है उससे पहले कभी इससे नीचे नहीं थी। खुदरा मुद्रास्फीति 2025-26 में औसतन दो प्रतिशत के स्तर पर चल रही है, इसके विपरीत विकसित देशों में यह भारत से ऊंचे स्तर पर है। ब्रिटेन में मुद्रास्फीति का आंकड़ा 3.4 प्रतिशत और अमेरिका में 2.7 प्रतिशत है। वित्त मंत्री ने कहा, 'यह संयोग नहीं बल्कि रणनीति का फल है।

हवाई यात्रियों की समस्याओं का त्वरित समाधान और यात्री हित सर्वोपरि: त्रिवेन्द्र

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने संसद में देशभर के हवाई यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु स्थापित 'यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली, प्रभावशीलता तथा भविष्य की कार्ययोजना पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने दिसंबर 2025 से प्राप्त शिकायतों की श्रेणी-वार संख्या, बार-बार शिकायतों वाले एयरलाइनों/हवाई अड्डों की पहचान, तकनीकी सुविधाओं तथा 'पैसेंजर-फर्स्ट' इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्यौरा माँगा।

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने अपने लिखित उत्तर में बताया कि एयरलाइनों, हवाई अड्डों और अन्य हितधारकों के समन्वय से 24×7 यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो शिकायतों की वास्तविक समय निगरानी एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करता है।

9 फ़रवरी 2026 तक प्राप्त शिकायतों के अनुसार सोशल मीडिया एवं कॉल माध्यम से रिफंड संबंधी 1,153, रद्दकरण संबंधी 547, बैगेज संबंधी 373 तथा उड़ान विलंब संबंधी 157 शिकायतें प्राप्त हुईं, इसके अलावा एयर सेवा पोर्टल पर टिकटिंग एवं किराया संबंधी 16,634, बैगेज संबंधी 5,102 तथा उड़ान विलंब संबंधी 8,498 शिकायतें दर्ज की गईं।

मुरलीधर मोहोल ने अवगत कराया कि एयरलाइन-वार एवं श्रेणी-वार रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं और त्वरित समाधान हेतु संबंधित एजेंसियों पर कार्रवाई की जा रही है। ब्लॉक कॉल, ईमेल, सोशल मीडिया तथा एयर सेवा पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को एकीकृत कर सुरक्षित ओम्नी-चैनल डैशबोर्ड के माध्यम से निगरानी करता है। साथ ही, डीजीसीए के सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स तथा यात्री चार्टर के अनुपालन को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है।

सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि हवाई यात्रियों के अधिकारों की रक्षा और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और उत्तरदायी शिकायत निवारण तंत्र ही 'पैसेंजर-फर्स्ट' व्यवस्था की आधारशिला है। रावत ने यह भी कहा कि भविष्य में बड़े व्यवधानों या आकस्मिक परिस्थितियों में ब्लॉक की जनशक्ति, तकनीकी क्षमता और विस्तारयोग्यता को और सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है, ताकि यात्रियों को किसी भी परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी सहायता मिल सके। उन्होंने मंत्रालय द्वारा 24×7 निगरानी व्यवस्था स्थापित करने और यात्री हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की।

डीएवी पब्लिक स्कूल देहरादून में सड़क सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' के अंतर्गत रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के सहयोग से डीएवी पब्लिक स्कूल, देहरादून में सड़क सुरक्षा नारा लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का सफल आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में विशिष्ट अतिथि के रूप में, रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के महाप्रबंधक मोहन राव लिम्माका के साथ सौमित्र गर्ग एवं कृष्ण प्रताप यादव भी उपस्थित रहे। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक उज्ज्वल भट्टाचार्य व रोहित शर्मा के द्वारा उपस्थित अतिथिगणों का सम्मान व अतिथि देवो भवः परंपरा का निर्वाह करते हुए उन्हें पौधा भेंट किया गया। इस वर्ष सड़क सुरक्षा का मुख्य विषय है 'सड़क सुरक्षा- जीवन रक्षा' है। सड़क सुरक्षा माह मनाने का मुख्य उद्देश्य भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर और चोटों में कमी लाना है। प्रतिवर्ष जनवरी में आयोजित यह अभियान, लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक

करने, सुरक्षित वाहन चलाने और हादसों को कम करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर देता है।

स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए सड़क सुरक्षा संबंधी चित्रों में यह सिद्ध कर दिया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं है, बल्कि यह एक आदत, एक सोच और हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस प्रतियोगिता के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों ने रंगों, शब्दों और अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति द्वारा यह संदेश दिया है कि सड़क पर बना प्रत्येक नियम किसी न किसी जीवन की सुरक्षा से जुड़ा है। एक और जहाँ स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं में अंशिका पवार (कक्षा 3), देवांशी ध्यानी (कक्षा 5), परिधि कांडपाल (कक्षा 7) व रिशाली घोरारी (कक्षा 11) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं दूसरी ओर पोस्ट निर्माण प्रतियोगिता में ओम चमोली (कक्षा 4), आयुष मस्तवाल (6) अथर्व राणा (8), व देवांश डंड्रियाल (9) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका कंचन कंडारी द्वारा आए गए अतिथियों को अपना अमूल्य समय प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया गया।

एक नजर

साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज निकलना पड़ा भारी, मोटरसाइकिल सीज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा जनपद में नाबालिग वाहन चालकों, दोषपूर्ण नंबर प्लेट, मॉडिफाइड साइलेंसर, अत्यधिक तेज पटाखे जैसी आवाज करने वाले वाहनों, बिना कागजात के वाहन संचालन तथा प्रेशर हॉर्न के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुपालन में भगवानपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मोटरसाइकिल से मॉडिफाइड साइलेंसर द्वारा पटाखे जैसी आवाज निकालकर एवं प्रेशर हॉर्न बजाकर आमजन में दहशत का माहौल उत्पन्न करने वाले एक युवक को कस्बा भगवानपुर क्षेत्र से पकड़ा गया। पकड़े गए युवक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया गया तथा उसकी मोटरसाइकिल संख्या च178470 को एमवी एक्ट के अंतर्गत सीज किया गया। कोतवाली लाकर युवक को यातायात नियमों की जानकारी दी गई एवं भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। तत्पश्चात उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया।

24 घंटे के भीतर पकड़ में आया पोक्सो एक्ट का आरोपी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मंगलौर निवासी व्यक्ति द्वारा कोतवाली मंगलौर पर शिकायती प्रार्थनापत्र देकर मुनत्याज उर्फ बिल्डर नामक व्यक्ति पर शिकायतकर्ता के नाबालिक बेटे के साथ कुकर्म करने के आरोप लगाए। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली मंगलौर पर आरोपी के खिलाफ ब्लह्स तथा पोक्सो एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया। नाबालिग से संबंधित मामला होने के कारण प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने 24 घंटे के भीतर आरोपी व्यक्ति को दबोचने में कामयाबी हासिल की। विधिक कार्यवाही जारी है।

जटाशंकर महादेव मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए गोष्ठी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना खानपुर क्षेत्रांतर्गत स्थित भगवान शिव के प्राचीन जटाशंकर महादेव मंदिर में दिनांक 14 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित होने वाले विशाल मेले को सकुशल एवं निर्विवाद रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से खानपुर पुलिस द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

बैठक क्षेत्राधिकारी लक्सर के निर्देशन में आयोजित की गई, जिसमें महाशिवरात्रि के अवसर पर हाईवे की यातायात व्यवस्था, कांवड़ सेवा शिविरों की तैयारी, भीड़ प्रबंधन एवं अपराध नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। चूंकि मेले के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त जल लेने एवं दर्शन हेतु पहुंचते हैं, इसलिए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई।

बैठक में क्षेत्राधिकारी लक्सर, प्रभारी निरीक्षक खानपुर, व0उ0नि0 खानपुर सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी, मंदिर समिति के पदाधिकारी, ग्राम चौकीदार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। हरिद्वार पुलिस द्वारा आमजन से भी अपील की गई कि मेले के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

अर्जुन हत्याकांड का खुलासा: 12 लाख की सुपारी में बेटे की हत्या, माँ समेत पांच गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

राजधानी के व्यस्त तिब्बती मार्केट क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई गैस एजेंसी संचालक अर्जुन शर्मा की हत्या का दून पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए चौंकाने वाली साजिश का पर्दाफाश किया है। संपत्ति विवाद में 12 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या कराए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शूटरों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया, जबकि साजिश में शामिल मृतक की माँ सहित तीन अन्य आरोपियों को भी दबोच लिया गया है।

एसएसपी अजय सिंह ने प्रेस वार्ता कर अर्जुन हत्याकांड का खुलासा किया। बताया कि 11 फरवरी को सुबह करीब 10:30 बजे अर्जुन शर्मा निवासी इंदिरा नगर, थाना बसंत विहार, देहरादून को तिब्बती मार्केट के पास गोली मार दी गई थी। उन्हें दून अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक जीएमएस रोड स्थित अमरदीप गैस एजेंसी के स्वामी थे। उनकी पत्नी श्रीमती अभिलाषा शर्मा की तहरीर पर कोतवाली डालनवाला में धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलेभर में नाकेबंदी और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। रात में रायपुर के लाडपुर क्षेत्र में पुलिस पर फायरिंग करने वाले आरोपी राजीव उर्फ राजू पुत्र अभय राम सिंह, निवासी 61/3 इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली नगर, देहरादून (उम्र 50 वर्ष) को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया गया। वहीं डोईवाला के लालतप्पड़ क्षेत्र में पुलिस टीम पर गोली चलाने वाले पंकज राणा पुत्र अभय राम सिंह, निवासी 61/3 इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली नगर, देहरादून (उम्र 52 वर्ष) को भी जवाबी

कार्रवाई में पैर में गोली लगने के बाद दबोचा गया। दोनों सगे भाई हैं और मूल रूप से ग्राम देवीखाल, पोस्ट गुमखाल, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले हैं। उनके कब्जे से 315 बोर के दो तमंचे, जिंदा व खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि अर्जुन शर्मा का अपनी माँ श्रीमती बीना शर्मा पत्नी स्व. आर.सी. शर्मा, निवासी 40/1 बसंत विहार, देहरादून से जीएमएस रोड स्थित संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। उक्त संपत्ति का 14 करोड़ रुपये में सौदा डॉ. अजय खन्ना पुत्र जे.पी. खन्ना, निवासी 12 ईसी रोड, डालनवाला, देहरादून से हुआ था, जिनमें से 8 करोड़ रुपये दिए जा चुके थे। अर्जुन द्वारा न्यायालय से स्टे लिए जाने के कारण डील अटक गई थी।

इसी विवाद के चलते बीना शर्मा, विनोद उनियाल पुत्र घनश्याम उनियाल, निवासी गैलेक्सी लैक्सोटिका अपार्टमेंट, 31 इंदर रोड, डालनवाला, देहरादून, तथा डॉ. अजय खन्ना ने अर्जुन शर्मा को रास्ते से हटाने की साजिश रची। दोनों शूटरों से 12 लाख रुपये में सौदा तय हुआ, जिसमें 3 लाख रुपये एडवांस दिए गए थे।

पुलिस ने हत्या और साजिश में शामिल सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों मुख्य अभियुक्तों को न्यायालय से रिमांड पर लिया गया है। मामले की गहन विवेचना जारी है।

नाम पता अभियुक्तगण:-

1- पंकज राणा पुत्र अभय राम सिंह निवासी- 61/3 इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली, देहरादून उम्र 52 वर्ष

2- राजीव उर्फ राजू पुत्र अभय राम सिंह निवासी 61/3 इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली, देहरादून, उम्र 50 वर्ष

3- श्रीमती बीना शर्मा पत्नी स्व0 आर0सी0 शर्मा , निवासी 40/1 बसंत विहार,

4- विनोद उनियाल पुत्र घनश्याम उनियाल, निवासी गैलेक्सी लैक्सोटिका अपार्टमेंट, 31 इन्दर रोड डालनवाला।

5- अजय खन्ना, पुत्र जे0पी0 खन्ना निवासी: 12 ई0सी0 रोड, डालनवाला, देहरादून

बरामदगी :-1- घटना में प्रयुक्त 02 तमंचे 315 बोर, जिंदा /खोखा कारतूस, 2- घटना मे प्रयुक्त स्कूटी

एक नजर

एचआरडीए ने दो स्थानों पर अवैध निर्माण किए सील

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) ने सिडकुल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर चल रहे अनाधिकृत निर्माण कार्यों को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार, सिडकुल हरिद्वार स्थित श्रीकांत एडवोकेट कॉलोनी में रैंकर हॉस्पिटल के सामने लगभग 20म25 वर्गफुट क्षेत्रफल में भूतल और प्रथम तल पर बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त निर्माण को सील कर दिया। इसके अतिरिक्त सिडकुल के 45 मीटर रोड पर रईस क्रेन सर्विस द्वारा लगभग 20म35 वर्गफुट क्षेत्रफल में भूतल एवं प्रथम तल पर किए जा रहे अनाधिकृत व्यवसायिक निर्माण को भी पुलिस बल की उपस्थिति में सील किया गया। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण अधिकारियों ने मौके पर मौजूद निर्माणकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए कि बिना विधिवत मानचित्र स्वीकृति प्राप्त किए किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य आगे न किया जाए। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकर्ताओं में हड़कंप मच गया है।

शराब तस्कर 52 पव्वे देशी शराब के साथ दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में अवैध देशी/अंग्रेजी शराब, स्मैक, चरस, गांजा आदि की तस्करी करने वालों के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार द्वारा चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में जनपद के समस्त कोतवाली प्रभारी/थानाध्यक्षों को सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर कुन्दन सिंह राणा द्वारा थाना क्षेत्र में अलग-अलग टीमों का गठन कर प्रभावी चेकिंग अभियान चलाया गया। दौराने चेकिंग तस्कर वंश शर्मा पुत्र मनोज शर्मा निवासी गली नंबर ष्ट-5, सुभाष नगर, कोतवाली ज्वालापुर, हरिद्वार को चोर गली के पास से दबोचा। आरोपी के कब्जे से 52 पव्वे अवैध देशी शराब (माल्टा मार्का) बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना ज्वालापुर पर मुकदमा अपराध संख्या 110/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खेड़ाजट फायरिंग प्रकरण : फरार अभियुक्त हिमांशु उर्फ मौला के घर ढोल नगाड़े लेकर पहुंची पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली मंगलौर के अंतर्गत ग्राम खेड़ाजट में 3 फरवरी 2026 की शाम हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना में फरार चल रहे अभियुक्तों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। एसएसपी हरिद्वार के निर्देशानुसार उक्त फायरिंग की घटना में प्रभावी कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की तलाश सहित विधिक कार्यवाही में जुटी पुलिस टीम ने आज माननीय न्यायालय के आदेश पर फरार आरोपी हिमांशु उर्फ मौला पुत्र प्रवीण निवासी ग्राम खेड़ाजट के विरुद्ध धारा 84क्ष्ठहस्स् के तहत कुड़की की मुनादी की कार्यवाही की गई। गुरूवार को पुलिस टीम भारी बल के साथ ग्राम खेड़ाजट स्थित अभियुक्त हिमांशु के निवास पर पहुँची। वहां नियमानुसार ढोल-नगाड़े बजाकर सार्वजनिक रूप से घोषणा की गई कि यदि अभियुक्त निर्धारित समयावधि के भीतर न्यायालय या संबंधित थाने में आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसकी चल-अचल संपत्ति को कुर्क (जब्त) कर लिया जाएगा। साथ ही आरोपी के घर के मुख्य द्वार और सार्वजनिक स्थानों पर न्यायालय द्वारा जारी नोटिस चस्पा किए गए हैं। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में भी लगातार छापेमारी जारी है।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आशीर्वाद समारोह

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

डीएवी सेन्टेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर हरिद्वार में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। प्रातः बेला में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यज्ञ द्वारा निराकार परमात्मा से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल एवं उपस्थित सभी अध्यापकों ने बच्चों पर आशीर्वाद स्वरूप पुष्प वर्षा की। इस दौरान छात्र छात्राओं में काफी उल्लास दिखायी दिया। प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने बताया कि विद्यालय में प्रतिवर्ष बोर्ड परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थियों के लिए वैदिक परम्परा अनुसार आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त करे, उसके लिए ईश्वर से प्रार्थना कर आशीर्वाद लिया जाता है। प्रसाद वितरण के पश्चात् विद्यार्थियों को सीबीएसई के निर्देशानुसार परीक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। उन्हें ओएमआर शीट को सही प्रकार से भरने का अभ्यास करवाया गया। तत्पश्चात् प्रवेश पत्र में दी गई जानकारी जांच कर, अभिभावकों एवं बच्चों के हस्ताक्षर लेकर, विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र सौंपे गए। विद्यालय में बच्चों की स्मृतियों को संजोकर रखने के उद्देश्य से कक्षानुसार बच्चों एवं उनके अध्यापकों के ग्रुप फोटोग्राफ खींचे गए। कक्षा 12 के छात्र छात्राओ को विदायी देते हुए कहा गया कि वह अपने उज्जवल भविष्य के लिए हमेशा अपने कदम आगे बढ़ाते रहे, यहां प्राप्त शिक्षा और संस्कारों से अपने माता पिता, स्कूल का नाम रोशन करें। राष्ट्र भावनों को अपने दिलों में जागृत रखें। माता पिता और अभिभावकों के अलावा अपने शिक्षकों का हमेशा मान और सम्मान रखें।

गंगनहर में डूबे आईआईटी के छात्र की दिनभर होती रही तलाश, एसएसपी मौके पर पहुंचे

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रुड़की में गंगनहर में डूबे आईआईटी के छात्र के डूबने के बाद पुलिस प्रशासन और राहत बचाव कार्य की टीमें मौके पर जुटी है। गुरूवार को भी दिनभर डूबे हुए छात्र की तलाश होती रही। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल स्वयं मौके पर पहुंचे और चलाए जा रहे रेस्क्यू आपरेशन की ग्राउंड जीरों पर पहुंच कर जानकारी लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिये। बतादें बीती 11 फरवरी को शाम लगभग 6:20 बजे रविदास घाट के निकट गंगनहर में एक छात्र के डूबने की सूचना प्राप्त हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के आदेशानुसार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की प्रदीप बिष्ट मय पुलिस बल के तत्काल मौके पर पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार आईआईटी के छात्र आशीष शुक्ला, एमबीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी, अपने साथियों के साथ गंगनहर किनारे घूमने गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गंगनहर में गिर गए और तेज बहाव के कारण लापता हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर ग्राउंड ज़ीरो का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्काल प्रभाव से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस एवं रुड़की आर्मी की टीमों के साथ संयुक्त रूप से व्यापक सर्च अभियान चलाया जा रहा है। तत्काल प्रभाव से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस तथा रुड़की आर्मी की टीमों के साथ संयुक्त रूप से व्यापक सर्चिंग अभियान चलाया गया। समाचार लिखे जाने तक छात्र आशीष शुक्ला का पता नहीं चल पाया है। कोतवाली रुड़की पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस एवं आर्मी की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं।

ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के तीन शातिर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जीआरपी हरिद्वार ने ट्रेनों में लोगों के मोबाइल छीनने वाले गिरोह के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में से दो चोरी की वारदतों को अंजाम दिया करते थे, जबकि तीसरा मोबाइल लॉक खोलकर नया पिन बनाता था और एटीएम से पैसे निकालक ऐश किया करते थे। पकड़े गए आरोपितों में से एक वर्ष 2024 में मोतीचूर के पास ट्रेन डकैती के मामले में जेल भी जा चुका है।

जानकारी के मुताबिक 25 जनवरी 2026 को अपने परिवार के साथ रेलवे स्टेशन जम्मू से ऋषिकेश की यात्रा के दौरान ट्रेन संख्या 14610 हेमकुंड एक्सप्रेस के कोच संख्या एस 9 से पीयूष चंद्रकांत मोदी पुत्र चंद्रकांत भुखनदास मोदी निवासी घी कान्टा रोड, हरिपुरा सूरत, गुजरात की पत्नी का लेडिस पर्स जिसमें दो फोन, एयरपॉड, 20 हजार नकद, जेंट्स पर्स जिसमें चार डेबिट कार्ड, दो क्रेडिट कार्ड, डीएल, आरसी रखे थे को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रेलवे स्टेशन हरिद्वार से चोरी कर लिए जाने के संबंध में तहरीर देकर देहरादून में जीरो एफआईआर दर्ज करायी थी। इस संबंध में 29 जनवरी को थाना जीआरपी हरिद्वार में मुकदमा अपराध दर्ज किया गया।

आरोपितों की तलाश में जुटी पुलिस ने तीनों शातिरों को आज धर दबोचा। मामले का खुलासा करते हुए कप्तान अरूणा भारती ने बताया कि दोनों शातिर आरोपित बलदेव सिंह रावत पुत्र गोविन्द सिंह रावत निवासी ग्राम झिवाली थाना लम्बगांव टिहरी गढ़वाल व अंश शर्मा पुत्र धीरेन्द्र शर्मा निवासी मानसरोवर कालोनी मुरादाबाद थाना मझौला जिला मुरादाबाद उ.प्र., मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम देते थे। जबकि फोन चोरी करने के बाद मात्र कुछ घंटे में एटीएम व यूपीआई के माध्यम से पैसा निकाल कर मोबाइल को 1000 से 1500 में राह चलते लोगों को बेच देते थे। 25 जनवरी को चोरी हुए मोबाइल से इन दोनों शातिरों द्वारा देहरादून राजपुर रोड स्थित एटीएम से दो बार में 1000 निकाले। जिसमें इन दोनों के धुंधले चेहरे आ गए। फुटेज से स्पष्ट हुआ कि ये दोनों शातिर थाना जीआरपी हरिद्वार से पहले भी जेल जा चुके हैं। दोनों शातिर चोरों की तलाश करते हुए थाना जीआरपी हरिद्वार ने दोनों शातिर चोरों को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने अपने तीसरे साथी दीपक सेमवाल पुत्र विरेन्द्र दत्त सेमवाल निवासी ग्राम अंजनीसैन पट्टी जाखणीधार जिला टिहरी गढ़वाल, जो लॉक तोड़ता था एवं नए यूपीआई पिन का नंबर बताता था, के घर से चोरी हुआ आईफोन एवं एयरपॉड बरामद करवाया। तीनों आरोपितों को विधिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया।

संपादकीय

ममता पर लालच की परछाईं

उत्तराखंड के देहरादून के तिब्बती मार्केट में दिनदहाड़े हुई अर्जुन शर्मा की हत्या ने केवल एक आपराधिक घटना का पर्दाफाश नहीं किया, बल्कि समाज की आत्मा को झकझोर देने वाला एक ऐसा सवाल भी खड़ा किया है, जिस पर गंभीर मंथन आवश्यक है–क्या रिश्ते अब संवेदना से नहीं, संपत्ति से तय होंगे?

जिस माँ की कोख से जन्म लेकर पुत्र जीवन की पहली सांस लेता है, वही रिश्ता यदि करोड़ों की डील, न्यायालयी विवाद और पैसों के दबाव में उलझ जाए, तो यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों के क्षरण का संकेत है। इस प्रकरण में सामने आए तथ्यों के अनुसार, संपत्ति विवाद और आर्थिक लेन-देन ने माँ-बेटे के संबंधों में इतनी खाई पैदा कर दी कि मामला अदालत से निकलकर साजिश और सुपारी तक जा पहुँचा। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारतीय संस्कृति में माँ को 'ममता', 'त्याग' और 'संरक्षण' का प्रतीक माना गया है। माँ-बेटे का संबंध केवल रक्त का नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और भावनात्मक आधार का रिश्ता होता है। किंतु जब संपत्ति का प्रश्न रिश्तों से बड़ा हो जाए, तो परिणाम अक्सर विनाशकारी ही होते हैं। यह घटना इसी विडंबना का चरम रूप है–जहाँ पारिवारिक विवाद का समाधान संवाद, मध्यस्थता या कानूनी प्रक्रिया से निकल सकता था, वहाँ हिंसा का रास्ता चुन लिया गया।

आज के दौर में बढ़ते संपत्ति विवाद, पारिवारिक मुकदमे और आपसी अविश्वास यह संकेत देते हैं कि आर्थिक आकांक्षाएँ रिश्तों की जड़ों को खोखला कर रही हैं। अदालतों में लंबित पारिवारिक वादों की संख्या इसका प्रमाण है। परंतु किसी भी मतभेद का समाधान हत्या या षड्यंत्र नहीं हो सकता। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य समाधान है, प्रतिशोध नहीं।

यह भी विचारणीय है कि जब परिवार के भीतर संवाद समाप्त हो जाता है, तो बाहरी तत्व उस दरार को गहरा करने में देर नहीं लगाते। आर्थिक दबाव, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ मिलकर संवेदनाओं को दबा देती हैं। ऐसे में परिवार, जो सबसे सुरक्षित आश्रय होना चाहिए, संघर्ष का अखाड़ा बन जाता है।

समाज को इस घटना से सबक लेने की आवश्यकता है। संपत्ति जीवन का साधन हो सकती है, उद्देश्य नहीं। रिश्ते यदि टूट जाएँ, तो करोड़ों की संपत्ति भी शून्य ही रह जाती है। आवश्यक है कि पारिवारिक विवादों को समय रहते संवाद, परामर्श और कानूनी सीमाओं के भीतर सुलझाया जाए।

अंततः प्रश्न केवल एक हत्या का नहीं है, बल्कि उस मूल्य व्यवस्था का है, जिसे हम आने वाली पीढ़ियों को सौंप रहे हैं। यदि लालच, अहंकार और अविश्वास रिश्तों पर हावी होते रहे, तो समाज की बुनियाद ही कमजोर हो जाएगी। माँ-बेटे का रिश्ता विश्वास का प्रतीक बना रहे–यही इस त्रासदी से निकलने वाली सबसे बड़ी सीख होनी चाहिए।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी।

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू जयंती की जयंती के कारण राष्ट्रीय महिला दिवस

संजय गोस्वामी

सरोजिनी नायडू, मशहूर कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी जिन्हें भारत कोकिला के नाम से जाना जाता है, सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद, भारत में बंगाली ब्राह्मण माता-पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और बरदा सुंदरी देवी के घर हुआ था। उनकी जयंती हर साल राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाई जाती है। सरोजिनी नायडू (13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक प्रमुख कार्यकर्ता, प्रभावशाली वक्ता और कवयित्री थीं। उनका जन्म हैदराबाद में एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनका पहला विवाह सरोजिनी अघोर्नाथ चट्टोपाध्याय (चटर्जी) से हुआ था। अघोर्नाथ का परिवार पूर्वी बंगाल के ब्रह्मनगर गांव से था। वे एक शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के उद्देश्य से 1878 में हैदराबाद आए और बाद में निज़ाम कॉलेज के प्रधानाचार्य बने। एक शिक्षाविद और उत्साही कार्यकर्ता के रूप में ख्यातिप्राप्त अघोर्नाथ ने सरोजिनी को बहुत प्रभावित किया। उनकी माता वरदासुंदरी देवी मूल रूप से बंगाल की थीं और एक बंगाली कवयित्री थीं। बचपन से ही सरोजिनी अपने सुसंस्कृत माता-पिता से प्रभावित थीं, जिसने उनकी काव्य प्रतिभा को पोषित किया और उन्हें कम उम्र से ही कविता लिखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा निजी तौर पर घर पर ही प्राप्त की। बारह वर्ष की आयु में उन्होंने मद्रास मैट्रिकुलेशन परीक्षा (1892) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नायडू ने 12 साल की उम्र में लिखना शुरू किया था। फ़ारसी में लिखे उनके नाटक, माहेर मुनीर ने हैदराबाद के निज़ाम को बहुत प्रभावित किया था। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में मद्रास विश्वविद्यालय (अब चेन्नई) में प्रवेश लिया और किंग्स कॉलेज लंदन में अध्ययन किया, बाद में उन्होंने गर्टन कॉलेज, कैम्ब्रिज (1895-98) में भी पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड में मताधिकार आंदोलन में भाग लिया। वे 1898 में भारत लौटीं और इंग्लैंड में मिले दक्षिण भारतीय चिकित्सक गोविंदराजू नायडू से विवाह किया। 1898 में भारत लौटने के बाद, उन्होंने ब्रह्म समाज की परंपराओं के अनुसार निज़ाम के दरबार में सेवारत विधवा चिकित्सक डॉ. गोविंदराजुलु नायडू से विवाह किया। यह विवाह अंतर-प्रांतीय और अंतर-जातीय होने के कारण उल्लेखनीय था, जिसने बंगाल और मद्रास को जोड़ा। उनकी बेटी पद्मजा नायडू ने अपनी मां के पदचिन्हों पर चलते हुए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राजनीति में कदम रखा। सरोजिनी नायडू का मानना था कि राष्ट्रवादी आंदोलन महिला मुक्ति आंदोलन से जुड़ा हुआ है। वे महिला भारतीय संघ से जुड़ी थीं, जिसका उद्देश्य महिलाओं के मतदान अधिकारों को मजबूत और सुरक्षित करना था। 1917 में, नायडू ने अंग्रेज नारीवादी एनी बेसेंट और भारतीय मताधिकार समर्थक हेराबाई टाटा के साथ मिलकर भारत के राज्य सचिव (1917-1922) एडविन मोंटेगू और भारत के वायसराय (1916-1921) लॉर्ड चेम्सफोर्ड के साथ महिलाओं के मतदान अधिकारों पर चर्चा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। 1919 के भारत सरकार अधिनियम ने महिलाओं को भारतीय प्रांतीय परिषदों में मतदान का अधिकार प्रदान किया। हालांकि, यह अधिकार राष्ट्रव्यापी स्तर पर सीमित था।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, सार्वभौमिक मताधिकार स्थापित हुआ। महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू ने 1930 के नमक मार्च में एक साथ भाग लिया। यह मार्च भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसके परिणामस्वरूप 60,000 से अधिक भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। 1920 के दशक के दौरान नायडू राजनीति में तेजी से सक्रिय हो गईं और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। 1924 में, उन्होंने पूर्वी अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया ताकि वहां रहने वाले भारतीयों का समर्थन किया जा सके, और अगले वर्ष, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं - उनसे आठ साल पहले एनी बेसेंट इस पद पर थीं। नायडू ने 1928-29 में राष्ट्रवादी आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए उत्तरी अमेरिका की यात्रा भी की। भारत लौटने पर, उनकी ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों - विशेष रूप से नमक सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन - के कारण उन्हें 1930, 1932 और 1942-43 में कई बार जेल जाना पड़ा।लंदन और कैम्ब्रिज में कुछ समय अध्ययन करने के बाद, स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और इटली की यात्रा करने के बाद वे भारत लौट आईं। इसी दौरान उनकी मुलाकात अंग्रेजी साहित्य समीक्षक एडमंड गोसे से हुई, जिन्होंने उन्हें उनकी कुछ कविताएँ दिखाईं और उनके भविष्य के लेखन के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। परिणामस्वरूप, उस समय इसे काफी प्रसिद्धि मिली और इसने सरोजिनी के सामाजिक कार्यों की शुरुआत को चिह्नित किया। उनके चार बच्चे थे: जयसूर्या, पद्मजा, रणधीर और लैलामणि। रणधीर बाद में हैदराबाद के राजनीतिक आंदोलन में प्रमुख बन गए, जबकि पद्मजा बंगाल की राज्यपाल बनीं पद्मजा नायडू (17 नवंबर 1900 - 2 मई 1975) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थीं, जो 3 नवंबर 1956 से 1 जून 1967 तक पश्चिम बंगाल की चौथी राज्यपाल रहीं। सरोजिनी नायडू गोखले को अपना गुरु मानती थीं और गांधीजी के नेतृत्व को पूरी निष्ठा से स्वीकार करती थीं।

लोकतंत्र की निर्णायक घड़ी या कट्टरपंथ की दस्तक, बांग्लादेश के लिए अस्तित्व का चुनाव

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक अत्यंत संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है। तेरहवें आम चुनाव के लिए हो रहा मतदान केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह उस दिशा का निर्धारण भी है जिस ओर यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र आगे बढ़ेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और भारत में शरण लेने के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव है। ऐसे समय में जब राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर है और समाज में अविश्वास गहराया हुआ है तब यह चुनाव लोकतंत्र की परीक्षा भी है और सामाजिक सौहार्द की भी।

देश के लगभग बारह करोड़ अस्सी लाख मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान के लिए सफेद मतपत्र नई सरकार के चयन हेतु है जबकि पिंक मतपत्र के माध्यम से जुलाई नेशनल चार्टर नामक संवैधानिक संशोधन पर भी जनमत लिया जा रहा है। इस दोहरे मतदान ने चुनाव को और अधिक निर्णायक बना दिया है। एक ओर सरकार चुनने की प्रक्रिया है तो दूसरी ओर संविधान की आत्मा में परिवर्तन का प्रस्ताव है। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि राष्ट्र की विचारधारा की दिशा तय करने वाला जनमत संग्रह बन गया है।

चुनावी माहौल में डर और असुरक्षा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। विशेषकर हिंदू समुदाय के बीच भविष्य को लेकर गहरी चिंता है। पिछले कुछ महीनों में हुई घटनाओं ने इस आशंका को और बढ़ाया है। विभिन्न जिलों में मंदिरों पर हमले हुए हैं दुकानों में आगजनी हुई है और समुदाय विशेष के लोगों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं। रंगपुर में सुसेन चंद्र सरकार की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। खुलना में मंदिर में तोड़फोड़ की गई। चटगांव में दीपक साहा की दुकान को लूटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। लालमोनिरहाट में एक शिक्षक के परिवार पर हमला हुआ। बरिसाल में गौरव दास को चुनावी रैली के बाद चाकू मारा गया। इन घटनाओं ने चुनाव को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा बना दिया है।

राजनीतिक परिदृश्य में भी बड़ा बदलाव आया है। लंबे समय तक सत्ता में रही अवामी लीग इस चुनाव में मुख्य दावेदार के रूप में नहीं दिख रही। मैदान में मुख्य रूप से बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी और जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाला गठबंधन है। बीएनपी का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के हाथों में है। अधिकांश सर्वेक्षणों में बीएनपी को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। दूसरी ओर जमात ए इस्लामी एक व्यापक गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में है जिसमें नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन की वैचारिक दिशा को लेकर समाज में बहस तेज है क्योंकि जमात लंबे समय तक प्रतिबंधित रही और उस पर कट्टरपंथी एजेंडा चलाने के आरोप लगते रहे हैं।

हिंदू समुदाय के कई लोग खुद को राजनीतिक रूप से असहाय महसूस कर रहे हैं। उनका मानना है कि मुख्य दलों में कोई भी स्पष्ट रूप से उदारवादी या मध्यममार्गी दृष्टिकोण लेकर सामने नहीं आया है। कुछ मतदाता बीएनपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं जबकि जमात के प्रभाव को लेकर आशंका व्यक्त कर रहे हैं। ढाका के एक मतदाता ने कहा कि वे ऐसे दल को वोट देंगे जो देश को धार्मिक कट्टरता की ओर न ले जाए। यह भावना केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि उस वर्ग की है जो स्थिरता और समान अधिकारों की गारंटी चाहता है।

चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। लगभग डेढ़ लाख से अधिक पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। करीब एक लाख सैनिक भी विभिन्न क्षेत्रों में तैनात हैं। देश के आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा कैमरे लगाए गए हैं। एक क्षेत्र में उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया है। इन व्यवस्थाओं से स्पष्ट है कि प्रशासन संभावित हिंसा को लेकर सतर्क है।

चुनाव प्रचार के दौरान हुई हिंसक घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। दिसंबर से फरवरी के बीच राजनीतिक झड़पों में कई लोगों की जान गई और सैकड़ों घायल हुए। मानवाधिकार संगठनों ने पिछले डेढ़ वर्ष में राजनीतिक हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने और हजारों के घायल होने की जानकारी दी है। यह आंकड़े लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गहरे सवाल खड़े करते हैं। यदि चुनाव हिंसा की छाया में होगा तो उसकी वैधता पर भी प्रश्न उठेंगे।

इस बार का चुनाव एक वैचारिक संघर्ष भी है। क्या बांग्लादेश अपने संविधान की मूल भावना धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद को बनाए रखेगा या धार्मिक पहचान को राजनीतिक शक्ति के रूप में स्वीकार करेगा। पिंक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन इसी दिशा का संकेत देगा। यदि मतदाता बड़े पैमाने पर संशोधन का समर्थन करते हैं तो देश की राजनीतिक संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन संभव है। यदि वे इसे अस्वीकार करते हैं तो यह वर्तमान व्यवस्था पर भरोसे का संकेत होगा।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस चुनाव पर नजर रखे हुए है। दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए बांग्लादेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के साथ उसके संबंध रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम हैं। शेख हसीना के भारत में रहने के कारण यह चुनाव द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण हो गया है। नई सरकार की नीतियां क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। आम मतदाता के लिए यह चुनाव केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं बल्कि रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। आर्थिक चुनौतियां बेरोजगारी महंगाई और सामाजिक असुरक्षा लोगों की प्राथमिक चिंताएं हैं। यदि नई सरकार इन मुद्दों पर ठोस कदम उठाने में विफल रहती है तो असंतोष और बढ़ सकता है।

महर्षि दयानंद सरस्वती की 202वीं जयंती पर वेदमय हुआ डीएवी देहरादून का प्रांगण

पथ प्रवाह, देहरादून।

डीएवी पब्लिक स्कूल देहरादून में महर्षि दयानंद सरस्वती की 202वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमामयी वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी दयानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की समस्त अध्यापक-अध्यापिकाएं तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि दयानंद के विचारों को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

डीएवी स्कूल के प्रांगण में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। बच्चों के मधुर एवं शुद्ध मंत्रोच्चार से पूरा विद्यालय परिसर वेदमय हो उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो भावी पीढ़ी महर्षि दयानंद के आदर्शों को आत्मसात कर समाज को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

जयंती समारोह का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को सत्य, साहस और समाज सुधार के विचारों से अवगत कराना रहा। अध्यापक-अध्यापिकाओं ने 'सत्यार्थ प्रकाश' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह ग्रंथ न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को महर्षि दयानंद के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय में कक्षा नर्सरी से लेकर नौवीं तक के विद्यार्थियों को स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) प्रदर्शित किया गया। इस वृत्तचित्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके समाज सुधार, शिक्षा प्रसार और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष के विषय में विस्तार से जानकारी मिली। वृत्तचित्र देखने के बाद विद्यार्थी उनके योगदान और बलिदानों के प्रति भावविभोर हो उठे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने मूर्ति पूजा, पशु बलि, छुआछूत और सामाजिक असमानता जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई थी। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं और हमें सामाजिक समरसता व नैतिक मूल्यों की स्थापना हेतु उनके प्रयासों को आगे बढ़ाना चाहिए।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी समाधिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'वेद ही ज्ञान का आधार हैं।' उन्होंने कहा कि डीएवी संस्था में वेदों को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है और विद्यार्थियों को सत्य विद्या की ओर अग्रसर करना ही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने सभी छात्रों को एकता, भाईचारे और नैतिकता बनाए रखने तथा महर्षि दयानंद के आदर्शों का अनुसरण करने का संदेश दिया।

एक नजर

शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर लड़ाई-झगड़े की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्रांतर्गत शिवलोक कॉलोनी एवं जमालपुर खुर्द क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की घटनाओं में 3 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। सभी के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक उमेश कुमार पुत्र धर्मपाल सिंह निवासी शिवलोक कॉलोनी, कोतवाली रानीपुर, जनपद हरिद्वार, शिवलोक कॉलोनी में अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौच, लड़ाई-झगड़ा एवं हुड़दंग करने पर, जावेद पुत्र इकराम निवासी ग्राम जमालपुर खुर्द, कोतवाली रानीपुर, हरिद्वार और मेहताब पुत्र स्व0 सिखा असगर निवासी ग्राम जमालपुर खुर्द, कोतवाली रानीपुर, हरिद्वार द्वारा आपसी लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौच एवं हुड़दंग करने पर पुलिस टीम द्वारा हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर पुलिस ने की कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बन्दूक लिए युवक की सोशल मीडिया में वायरल हो रही वीडियो की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश कर उसके खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने पुलिस एक्ट में चालान काटकर युवक को सख्त लहजे में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न करने की चेतावनी दी है। पुलिस जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रही बंदूक वास्तव में एयर गन है जिसके इस्तेमाल का वीडियो युवक द्वारा सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए किया गया था। आरोपी का नाम अयान पुत्र नौशाद निवासी ग्राम माधोपुर कोतवाली गंगनहर है।

रुद्रप्रयाग में 2018 बैच के आईएएस विशाल मिश्रा बने जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जनपद को नया जिलाधिकारी मिल गया है। उत्तराखंड कैडर के वर्ष 2018 बैच के आईएएस अधिकारी विशाल मिश्रा को जिले की कमान सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है और इससे जनपद में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

विशाल मिश्रा इससे पूर्व प्रबंध निदेशक-जीएमवीएन, मिशन निदेशक-जल जीवन मिशन, परियोजना निदेशक-नमामि गंगे तथा परियोजना निदेशक-केएफडब्ल्यू परियोजना जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके स्थान पर आईएएस अधिकारी प्रतीक जैन को इन सभी दायित्वों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईएएस मिश्रा अपनी नवाचारी सोच, तकनीकी दक्षता और परिणामोन्मुखी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एचबीटीआई कानपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है तथा आईआईटी कानपुर से जल संसाधन इंजीनियरिंग में एम.टेक. की उपाधि प्राप्त की है। पूर्व में वे अल्मोड़ा और ऊधम सिंह नगर जनपदों में भी महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। कोसी नदी परियोजना में उनके योगदान की व्यापक सराहना हुई थी।

चारधाम यात्रा और आपदा प्रबंधन की दृष्टि से संवेदनशील रुद्रप्रयाग जनपद में उनकी तैनाती को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि उनके अनुभव और तकनीकी दृष्टिकोण से जिले में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गति दोनों आएंगी।

कुम्भ मेला-2027: हरिद्वार को मिला करोड़ों का बजट

पथ प्रवाह, देहरादून।

कुम्भ मेला-2027 की व्यापक तैयारियों को गति देते हुए मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति की बैठक में हरिद्वार में महत्वपूर्ण सेतु निर्माण परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कुम्भ से जुड़े सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने खड़खड़ी श्मशान घाट जाने वाले मार्ग पर सूखी नदी पर स्थित कॉजवे के स्थान पर डबल लेन सेतु निर्माण हेतु 13.22 करोड़ तथा मायापुर स्क्रैप चैनल पर दक्षद्वीप एवं बैरागी कैम्प को जोड़ने वाले पूर्व निर्मित सेतु के डाउनस्ट्रीम में 60 मीटर स्पान स्टील गर्डर डबल लेन सेतु निर्माण हेतु 12.46 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि कुम्भ जैसे विशाल आयोजन में यातायात प्रबंधन और

संरचनात्मक मजबूती अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

इसके अतिरिक्त राज्य के अन्य महत्वपूर्ण विकास प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। जनपद चम्पावत में रोडवेज स्टेशन परिसर में 64.94 करोड़ की लागत से आधुनिक मल्टी स्टोरी पार्किंग एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण को स्वीकृति देते हुए इसका नाम 'सिटी सेंटर चम्पावत' रखने के निर्देश दिए गए। वहीं, टिहरी गढ़वाल के माल रोड पर फसाड कार्य, रेलिंग्स, पाथवे, स्ट्रीट लाइट एवं शौचालय निर्माण हेतु 11.25 करोड़ की संस्तुति प्रदान की गई।

शिक्षा क्षेत्र में शैक्षिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को निःशुल्क नोटबुक उपलब्ध कराने के लिए 52.84 करोड़ स्वीकृत किए गए। इसके अतिरिक्त विभिन्न मोटर मार्गों के पुनर्निर्माण एवं सुधार कार्यों के लिए भी करोड़ों रुपये की वित्तीय मंजूरी दी गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परियोजना की स्पष्ट समयसीमा तय कर पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सचिव नितेश झा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डे, डॉ. आर. राजेश कुमार, वी. षणमुगम, विशेष सचिव अजय मिश्रा, मेलाधिकारी सोनिका सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मोबाइल स्नेचिंग कांड में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार, छीना गया मोबाइल और बाइक बरामद

पथ प्रवाह, देहरादून

राजधानी दून में मोबाइल स्नेचिंग की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

कोतवाली कैण्ट क्षेत्र में 7 फरवरी 2026 को हुई इस घटना के संबंध में वादी प्रदीप पुत्र कमल पाल, निवासी 26 गढ़ी कैण्ट, देहरादून द्वारा लिखित तहरीर दी गई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी पत्नी टपकेश्वर रोड से शेरबाग रोड स्थित अपने घर लौट रही थीं, तभी पीछे से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए।

तहरीर के आधार पर कोतवाली कैण्ट में मु0अ0सं0 30/26, धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र से मिली सफलता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर घटना के खुलासे के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा सुरागरसी-पतारसी के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस टीम ने पोस्ट ऑफिस तिराहे के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों – लाड सिंह और लक्की सिंह – को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से घटना में छीना गया मोबाइल फोन तथा मोटरसाइकिल संख्या च-07-FB-6658 बरामद की गई।

नशे की लत के चलते दिया वारदात को अंजाम

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए मोबाइल स्नेचिंग जैसी वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी किए गए मोबाइल को बेचने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

घटना में शामिल तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

लाड सिंह पुत्र रोशन सिंह, निवासी कॉवली रोड, लक्ष्मण चौक, शिवाजी मार्ग, कोतवाली नगर, देहरादून – उम्र 19 वर्ष

लक्की सिंह पुत्र स्व0 शमशेर सिंह, निवासी कॉवली रोड, लक्ष्मण चौक, शिवाजी मार्ग, कोतवाली नगर, देहरादून – उम्र 22 वर्ष

बरामदगी

घटना में छीना गया मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर प्लस संख्याः च-07-स्नक्र-6658

पुलिस टीम अ0उ0नि0 रमेश चन्द्र जोशी, हे0का0 नवीन कुमार, का0 सूरज राणा

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सहसपुर में सड़क चौड़ीकरण का किया शिलान्यास

मीठीबेरी–परवल–चांदनी चौक एवं परवल–विज्ञान धाम झाझरा मार्ग को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में 1203.40 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सड़क चौड़ीकरण कार्य के द्वितीय चरण का शिलान्यास किया। यह कार्य मीठीबेरी से परवल होते हुए चांदनी चौक तक तथा परवल से विज्ञान धाम झाझरा तक किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सुदृढ़ सड़क अवसंरचना प्रदेश के समग्र विकास का आधार है। बेहतर संपर्क मार्गों से स्थानीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को गति मिलेगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए क्षेत्रीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे रही है। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रेटिंग्स उत्तराखंड को समावेशी विकास में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित कर रही हैं। उन्होंने मातृशक्ति को पहाड़ की अर्थव्यवस्था का केंद्र बताते हुए कहा कि 'लखपति दीदी' योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं ऐसे उत्पाद तैयार कर रही हैं, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, राज्य का बजट आकार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, विद्युत उत्पादन चार गुना बढ़ा है तथा रिवर्स माइग्रेशन में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि देवभूमि उत्तराखंड की मूल पहचान, संस्कृति और जनसांख्यिकीय संतुलन से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून तथा अवैध अतिक्रमण और भू-माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और चालू वित्तीय वर्ष में 10 से 12 हजार नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक सहदेव सिंह पुंडीर की क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के प्रति सक्रियता और संवेदनशीलता की सराहना की। विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। युवा, महिला और

किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा प्रदेश की संस्कृति और मौलिक पहचान की रक्षा के लिए सशक्त कानून बनाए गए हैं।

सहसपुर क्षेत्र के विकास हेतु महत्वपूर्ण घोषणाएं

पेयजल, नाला, मोक्षधाम और पुस्ता निर्माण सहित कई कार्यों को स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। इनमें– भाऊवाला में पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ करने हेतु नलकूप निर्माण। नगर निगम क्षेत्र में जलभराव से राहत के लिए दरू चौक से केशववाला नदी तक नाला निर्माण। आर्केडिया बड़ोवाला पार्क के समीप मोक्षधाम का निर्माण। आसनपुर से श्मशान घाट तक पुस्ता एवं मार्ग निर्माण। ठाकुरपुर अंतर्गत उमेदपुर व परवल में आसन नदी पर कृषि भूमि की सुरक्षा हेतु पुस्ता निर्माण। नगर निगम वार्ड संख्या 93 बड़ोवाला आवासीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिए पुस्ता निर्माण। पौंधा में श्मशान घाट सड़क निर्माण एवं भूमि कटाव रोकने के लिए पुस्ता निर्माण के कार्य शामिल है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भांग और अफीम की खेती के खिलाफ युद्ध स्तर पर अभियान: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिये संबंधित विभागों को मिलजुलकर कारगर कदम उठाने तथा चिन्हित क्षेत्रों में जन-जागरूकता बढाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए गठित जिला स्तरीय समिति (एनकॉर्ड) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन एवं तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाने जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जिले में भांग व अफीम की खेती पर रोक लगाने के लिए संबंधित क्षेत्रों को चिन्हित कर ऐसे इलाकों पर बुवाई के दौर से ही निरंतर निगरानी व

जांच की कार्रवाई की जाय और किसी भी दशा में भांग व अफीम की खेती न होने दी जाय। राजस्व, पुलिस और वन विभाग संयुक्त टीम बनाकर भांग और अफीम की खेती को नष्ट करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि जनपद में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एंटी ड्रग किट के माध्यम से मौके पर ही प्राथमिक जांच कर त्वरित विधिक कार्यवाही की जाये।

जिलाधिकारी ने मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए जन-सहभागिता एवं जन-जागरूकता बढाने पर जोर देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी अगले तीन दिनों तक स्कूलों में नशे के दुष्प्रभाव और इनकी रोकथाम हेतु जागरूकता शिविर लगाए जाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित विभागों व संगठनों के द्वारा मादक पदार्थों की खेती, उत्पादन व तस्करी का विस्तृत डाटा संकलित कर संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित किया जाय मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए कार्ययोजना का निर्धारण किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों से बचाया जाना बेहद जरूरी है। मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खेती की रिपोर्ट करने या ऐसी गतिविधियों से संबंधित शिकायतों पर मानस हेल्पलाइन न. 1933 का प्रचार-प्रसार करने और जागरूकता बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र, वनक्षेत्राधिकारी यशवंत सिंह उपस्थित रहे एवं पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, एसीएमओ बीएस पांगती, समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी सहित अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

हल्द्वानी बड़ी मंडी डबल मर्डर केस का 6 घंटे में खुलासा, चार गिरफ्तार

पथ प्रवाह, नैनीताल।

हल्द्वानी बड़ी मंडी में सनसनीखेज डबल मर्डर केस का एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी की सफल रणनीति और मार्गदर्शन से पुलिस ने छह घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस इस मर्डर केस में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

गुरूवार की सुबह पुलिस कंट्रोल रूम को हल्द्वानी बड़ी मंडी क्षेत्र में 1 युवक तथा 1 युवती के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोतवाली हल्द्वानी पुलिस, डॉग स्क्वॉड तथा फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण व भौतिक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। प्रथम दृष्टिया पत्थर से कुचलकर हत्या का मामला होना प्रकाश में आया। मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ0 मंजुनाथ टीसी ने तत्काल घटनास्थल में जाकर हत्या के सभी पहलुओं एवं साक्ष्यों का बारीकी से अध्ययन किया तथा विशेष टीम गठित कर घटना के त्वरित अनावरण के निर्देश दिए गए। मृतकों से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर उनके परिजनों से सम्पर्क कर शिनाख्त की कार्यवाही के दौरान मृतकों की पहचान शुभम टम्टा पुत्र किशोरी लाल टम्टा निवासी तल्ला खोल्टा अल्मोड़ा तथा लक्ष्मी पोखरिया पुत्री हेम चन्द्र पोखरिया निवासी ग्राम मल्ली पोखरी ओखलकांडा नैनीताल के रूप में हुई। मृतका के परिजन सुरेश चन्द्र पोखरिया की तहरीर के आधार पर कोतवाली हल्द्वानी में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. जगदीश चन्द्र एवं पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना के विभिन्न पहलुओं, भौतिक साक्ष्य के आधार पर सीसीटीवी सर्विलांस, मैनुअल इंटेलिजेंस तथा सुरागरसी पतारसी के आधार पर सनसनीखेज हत्याकांड में संलिप्त 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एसएसपी के मुताबिक अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे सभी साथ में बैठकर शराब पी रहे थे, इसी दौरान आरोपी लक्ष्मी के साथ छेड़खानी करने लगे जिस पर शुभम तथा लक्ष्मी ने विरोध किया।

चारधाम यात्रा के दौरान जलापूर्ति पूर्ण रूप से रहे सुचारू: डीएम प्रशांत आर्य

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में जल संस्थान और जल निगम के अधिशासी अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक करते हुए लंबित कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में जल संस्थान और निगम के अभियंताओं ने बताया जिले में संचालित कुल 1293 पेयजल योजनाओं में से 82 योजनाएं वर्तमान में लंबित हैं। जिलाधिकारी ने इनके संदर्भ में स्पष्ट किया कि लंबित समस्याओं का निराकरण करते हुए इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए और जनहित के इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जल संस्थान और निगम द्वारा संचालित सभी योजनाओं का विधिवत सत्यापन कराने के निर्देश दिये। कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कमी न रहे और जनता को इन योजनाओं का सीधा लाभ मिलना सुनिश्चित हो।

जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा

करते हुए जिलाधिकारी ने एकल और मल्टीपल ग्राम पंपिंग योजनाओं की वर्तमान प्रगति को भी परखा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एकल ग्राम पंपिंग योजनाओं के विलयीकरण के संबंध में ग्राम सभाओं की ओर से प्राप्त होने वाले सुझावों और प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं को व्यावहारिक बनाने के लिए स्थानीय निकाय और ग्राम सभाओं के फीडबैक को प्राथमिकता दी जाए।

जिलाधिकारी ने जेजेएम के तहत निर्मित कोटियाल गांव पंपिंग योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। अधिशासी अभियंता एल.सी. रमोला ने कोटियाल गांव योजना का कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी और वर्तमान में इस गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। जिलाधिकारी ने अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में पेयजल संकट का स्थायी समाधान हो सके।

बैठक में अधीक्षण अभियंता जल संस्थान विनोद रमोला,अधिशासी अभियंता जल संस्थान एलसी रमोला, विनोद पांडेय,अधिशासी अभियंता जल निगम मधुकांत कोटियाल उपस्थित रहे।

तकनीकी शिक्षा सुदृढ़ीकरण पर मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन की बड़ी पहल

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून के छह परिसर संस्थानों को राज्य एवं केंद्र पोषित योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, फैकल्टी व्यवस्था और छात्र सुविधाओं के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार समय की आवश्यकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय को ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने निर्देश दिए

कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित परिसरों में आवश्यक संसाधनों और आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे छात्रों की संख्या में वृद्धि हो तथा इन परिसरों की स्थापना का मूल उद्देश्य पूर्ण हो सके।

पर्वतीय परिसरों में हॉस्टल व आवासीय भवनों पर जोर

मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि प्रौद्योगिकी संस्थान गोपेश्वर, पिथौरागढ़, टनकपुर, बौन (उत्तरकाशी) तथा डब्ल्यू.आई.टी. देहरादून में छात्रावास निर्माण एवं अन्य आवश्यक आवासीय भवनों के प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ-साथ प्रमुख फैकल्टी के लिए भी आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। बेहतर हॉस्टल, फैकल्टी और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता से ही तकनीकी संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

आय संसाधन बढ़ाने और अवस्थापना विकास का खाका मांगा

मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय को अपने आंतरिक आय संसाधनों में वृद्धि के लिए ठोस प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर होने वाले संभावित व्यय का विस्तृत विवरण भी शासन को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि प्राप्त प्रस्तावों पर वित्त विभाग से परामर्श के उपरांत शासन स्तर पर विचार किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार इसे कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय की कुलपति से अपेक्षा की कि परिसरों के संचालन, शैक्षणिक गतिविधियों एवं संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए एक समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें वित्तीय भार का स्पष्ट उल्लेख हो।

कुलपति ने दिया विस्तृत प्रस्तुतिकरण

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. तृषा ठाकुर ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्य-कलापों, वर्तमान संसाधनों, आधारभूत संरचना और भविष्य की आवश्यकताओं की जानकारी दी। बैठक में सचिव डॉ. रंजीत सिन्हा, वी. षणमुगम, रजिस्ट्रार राजेश उपाध्याय, निदेशक डब्ल्यू.आई.टी. मनोज पाण्डा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

निजीकरण के खिलाफ ऊर्जा कर्मियों ने भरी हुंकार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ऊर्जा निगम के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों और अधिकारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। गुरुवार को रुड़की स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर ऊर्जा निगम के विभिन्न संगठनों से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस आंदोलन को भारतीय किसान यूनियन (रोड) गुट ने भी अपना समर्थन दिया है। ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता विवेक राजपूत ने धरने को संबोधित करते हुए निजीकरण के दूरगामी परिणामों पर चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा की बिजली का निजीकरण न केवल कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि इससे आम जनता को भी भारी नुकसान होगा। निजी कंपनियां सिर्फ मुनाफे के लिए काम करती हैं, जिससे बिजली की दरें बेतहाशा बढ़ेंगी और गरीब व मध्यम वर्ग की पहुंच से बिजली दूर हो जाएगी। इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह रही कि भारतीय किसान यूनियन (रोड) के पदाधिकारियों ने भी ऊर्जा निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर धरने में शिरकत की। भाकियू नेताओं ने कहा कि यदि ऊर्जा क्षेत्र निजी हाथों में गया, तो किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी और रियायतों पर भी तलवार लटक जाएगी। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो किसान और कर्मचारी मिलकर बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। बिजली वितरण क्षेत्र को निजी कंपनियों को सौंपने के प्रस्ताव को तुरंत रद्द किया जाए। उपभोक्ता हितरू बिजली दरों को नियंत्रित रखने के लिए सरकारी स्वामित्व बनाए रखने की मांग। दीपक शांडिल्य ने कहा कि यह केवल एक चेतावनी है। यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो यह आंदोलन अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार में बदल सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवेंद्र कुमार शर्मा एवं संचालन दीपक कुमार शांडिल्य ने किया। इस मौके पर अनिल कुमार मिश्रा अधिशासी अभियंता, आशुतोष तिवारी अधिशासी अभियंता, विनोद पांडे अधिशासी अभियंता, अश्वनी सिंह उपखंड अधिकारी, आकाश सिंह उपखंड अधिकारी, अमित तोमर उपखंड अधिकारी, अनिता सैनी उपखंड अधिकारी अभियंता, पंकज गौतम, दिनेश तिवारी, संजीव जायसवाल, भगत सिंह रावत, संजीव चौहान, सचिन चौहान, अनुभव सैनी, सतीश कुमार एवं भाकियू रोड गुट से प्रदीप त्यागी, विकास शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एसएसपी के फिर किए उप निरीक्षकों के तबादले

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने एक बार फिर से पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए चार उप निरीक्षकों के तबादले किए हैं। एसएसपी ने उप निरीक्षक मनोज गैरोला को कोतवाली रूड़की से कोतवाली मंगलौर, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र राठी को एसआईएस शाखा से कोतवाली रूड़की, उप निरीक्षक अशोक सिरस्वाल को कनखल से चौकी प्रभारी लण्ढौरा च उप निरीक्षक संजय पुनिया को चौकी काली नदी भगवानपुर से प्रभारी सीआईयू यड़की के पद पर स्थानांतरित किया है।

भैंस के मांस की आड़ में गोकशी, चार गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गोवंश संरक्षण स्क्वाड टीम और कलियर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गोकशी के आरोप में चार अभियुकतों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 341 किलोग्राम गौमांस, पशु कटान के उपकरण, एक मोटरसाइकिल और एक डीप फ्रीजर बरामद किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नई बस्ती पिरान कलियर स्थित इमरान और मौफिक की मांस की दुकानों पर भैंस के मांस की आड़ में गौमांस बेचा जा रहा है। सूचना के आधार पर गोवंश संरक्षण स्क्वाड टीम के एसआई शरद सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी की गई।छापेमारी के दौरान दुकानों से भारी मात्रा में मांस एवं अन्य अवशेष बरामद किए गए। मौके से समीर, सावेज, मौफीक और दानिश निवासी पिरान कलियर को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से 341 किलोग्राम गौमांस, पशु कटान के उपकरण, एक मोटरसाइकिल और एक डीप फ्रीजर जब्त किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। टीम में थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, एसएसआई सुनील दत्त पंत, इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली, एसआई उपेंद्र सिंह, संजय रावत, प्रकाश मनराल, भादूराम सहित गौ-स्क्वाड टीम से एसआई शरद सिंह, प्रवीण कुमार, सुनील सैनी, पवन कुमार, बृजकिशोर और लखमीरी शामिल रहे।

अल्मोड़ा की वृद्ध महिला को मिली पेंशन, प्रशासन की तत्परता से त्वरित समाधान

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

ग्राम च्याली, पोस्ट छाना गोलू, तहसील बग्वाली पोखर की निवासी वृद्ध महिला रमोती देवी को लंबे समय से वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था। आर्थिक रूप से कमजोर रमोती देवी के लिए यह पेंशन जीवनयापन का महत्वपूर्ण सहारा थी। मामला मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह ने प्रकरण को गंभीरता से लिया और उपजिलाधिकारी द्वाराहाट सुनील कुमार तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। प्रशासनिक टीम ने बिना विलंब के मौके पर पहुंचकर समस्त अभिलेखों का सत्यापन किया और आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराईं। तत्पश्चात रमोती देवी की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कर दी गई, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल सकी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश

सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े जरूरतमंद व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। यह प्रकरण मुख्यमंत्री की संवेदनशील कार्यशैली, त्वरित निर्णय क्षमता और जनसमस्याओं के प्रति सजग दृष्टिकोण का एक और उदाहरण बनकर सामने आया है। प्रशासन की सक्रियता और समन्वित प्रयासों से रमोती देवी को उनका अधिकार समयबद्ध तरीके से मिल सका। वृद्ध महिला और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री तथा जिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की तत्परता से उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान संभव हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसी प्रकार अन्य जरूरतमंदों को भी समय पर योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

जिलाधिकारी ने किया बाल विकास परियोजना कार्यालय का निरीक्षण, राशन वितरण को लेकर जतायी नाराजगी

पथ प्रवाह, पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने खिर्सू स्थित बाल विकास कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनवरी माह के टेक होम राशन (टीएचआर) का वितरण न होने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सीडीपीओ को निर्देशित किया कि टीएचआर का मास्टर रजिस्टर अनिवार्य रूप से कार्यालय में सुरक्षित और अपडेट रखा जाए। साथ ही, राशन की मांग समय से भेजने और उसकी रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि वितरण प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। कार्यालय में उपस्थिति पंजिका की जांच के दौरान केवल एक सुपरवाइजर उपस्थित मिलने और टूर प्लान प्रस्तुत न कर पाने पर जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सीडीपीओ रीना बिन्दोला को निर्देशित किया कि माह शुरू होने से पहले ही सभी सुपरवाइजरों का टूर प्रोग्राम (भ्रमण योजना) अनुमोदित करवाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षण और पर्यवेक्षण कार्यों का समुचित दस्तावेजीकरण प्रशासन की

प्राथमिकता है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी।

ग्राम चमराड़ा की आंगनबाड़ी कार्यकत्री रिशु से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं से नियमित संपर्क करने और उनकी स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के अभिलेखों के बेहतर रखरखाव पर जोर दिया और निर्देश दिए कि कार्यकत्रियों का दिसंबर माह के बाद का लंबित भुगतान तत्काल समय से किया जाए। जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यप्रणाली में सुधार हेतु निर्देश दिए कि सभी सुपरवाइजर स्वयं फील्ड में जाकर आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यों का निरीक्षण करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अनावश्यक रूप से कार्यालय न बुलाया जाए। विशेष रूप से आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन समय के दौरान उन्हें केंद्र छोड़कर कार्यालय बुलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नूपुर वर्मा, तहसीलदार दीपक भंडारी, सुपरवाइजर उर्मिला बधानी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बुजुर्ग महिला को सम्मोहित कर ठगे 50 हजार व कानों के कुण्डल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मध्य हरिद्वार स्थित गोविंदपुरी के सामने मुख्य मार्ग पर एक बुजुर्ग महिला को सम्मोहित कर उससे 50 हजार रुपये नगद और कानों के कुंडल ठगने का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित का पकड़ने के लिए नाकेबंदी की, किन्तु आरोपित का कुछ पता नहीं चला। पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित गोविंदपुरी के मान्यवर शोरूम से पहले जूस का ठेला लगता है। भीड़ भाड़ वाले इस इलाके में राजीव नगर कॉलोनी निवासी बुजुर्ग महिला आनंदी पंजाब नेशनल बैक की शाखा से 50 हजार रुपये निकालकर लाई थी। घर जाते समय जब वह जूस वाले के सामने पहुंची तो उसे ठगों ने रोक लिया। बुजुर्ग महिला को अपने मोह जाल में फांसकर ठगों ने उससे 50 हजार रुपये और उसके कुंडल भी ठग लिए। कुछ देर बाद महिला को अपने ठगे जाने का अहसास हुआ। मामले की सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और महिला आनंदी से पूरे प्रकरण की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर पत्रकारों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

पथ प्रवाह, हल्द्वानी

पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे पत्रकारों की जीवन शैली और कार्य की अधिकता एवं अनियमित दिनचर्या को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा पत्रकारों हेतु विशेष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जाने के निर्देशों के क्रम में गुरुवार को हल्द्वानी मीडिया सेंटर में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के सहयोग से एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया गया।

शिविर में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल,मुख्य चिकित्सा अधिकारी नैनीताल एवं संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय ने सामिल होकर उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ पत्रकारिता ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है, क्योंकि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया शासन-प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए समाज को जागरूक

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मीडिया प्रतिनिधियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति संवेदनशील है और उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनकल्याणकारी दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित इस शिविर में एक्स-रे, ईसीजी, बीपी, शुगर, थायराइड एवं विभिन्न रक्त जांच सहित आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक एवं फिजिशियन द्वारा लाभार्थियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत आवश्यक औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

शिविर में जनपद के हल्द्वानी, रामनगर, लालकुआं, कालाढूंगी सहित विभिन्न क्षेत्रों से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया प्रतिनिधियों तथा उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लगभग 100 से अधिक पत्रकारों एवं उनके परिजनों ने शिविर का लाभ उठाया।

शिविर में उपस्थित संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समय समय पर सभी क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक मीडिया कर्मियों एवं आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

यह शिविर राज्य सरकार की उस दूरदर्शी सोच का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसके अंतर्गत 'सबका स्वास्थ्य, सबका विकास' की भावना के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इससे पूर्व प्रातः जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरीश चन्द्र पंत एवं संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय द्वारा संयुक्त रूप से चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया।

शिविर में डॉ आर एस कुँवर फिजीशियन, डॉ सुधांशु सिंह हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ पीएस खोलिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ अनीता पवार, स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ विजय नेत्र रोग विशेषज्ञ,डॉ0 दीप्ति, दंतरोग विशेषज्ञ तथा दीपा सुनारी फार्मेसिस्ट के साथ ही मेडिकल टीम , जिला सूचना अधिकारी गिरिजा जोशी, सूचना अधिकारी अहमद नदीम सहित विभिन्न मीडिया प्रतिनिधि व अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

यमकेश्वर में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

पथ प्रवाह, पौड़ी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के निर्देशानुसार आज राजाजी रिट्रीट रिसॉर्ट, गंगाभोगपुर में एक दिवसीय विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज सीनियर डिवीजन नाज़िश कलीम के कुशल निर्देशन में आयोजित यह कार्यक्रम 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' तथा 'नालसा संवाद योजना 2025' को समर्पित रहा। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर, हाशिए पर रहने वाले और विशेष रूप से आदिवासी समुदायों तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना था। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने 'सभी के लिए न्याय' की अवधारणा पर बल दिया। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता, इसकी पात्रता शर्तों और विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की गयी ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। नालसा संवाद योजना-2025 के विशेष संदर्भ में, वन गुज्जर समुदाय एवं अन्य पिछड़े वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा तंत्र के प्रति जागरुक किया गया। शिविर में स्पष्ट किया गया कि किसी भी विधिक समस्या के समाधान के लिए पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी मदद प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर वन गुज्जर आदिवासी युवा संगठन के संस्थापक मुहम्मद मीर हमजा सहित कई विशेषज्ञों ने समुदाय को विधिक प्रक्रियाओं की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में सहायक खंड विकास अधिकारी जगमोहन सिंह बिष्ट, पुलिस चौकी चीला के अपर उप निरीक्षक भानु प्रताप सिंह, पूर्व अपर निदेशक शिक्षा प्रदीप रावत, सहायक विकास अधिकारी दिनेश रावत और सहायक समाज कल्याण अधिकारी महेश प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखे। इनके अतिरिक्त कल्पवृक्ष पुणे से नीमा पाठक, ग्राम प्रधान अंजलि देवी, अधिकार मित्र आफताब और भगत सिंह बिष्ट सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

12 फरवरी से 26 फरवरी तक सभी विकासखंडों में लगेंगे ऋण शिविर

पथ प्रवाह, पौड़ी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए जनपद पौड़ी गढ़वाल में बैंक शाखावार ऋण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अधिकरण, विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों सहित ग्रामीणों को अधिक से अधिक ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर सृजित हो सकें। इसके लिए सभी बैंक शाखाओं को निर्देशित किया गया है कि वे तैयार रोस्टर के अनुसार शिविरों का आयोजन कर अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सीसीएल सुविधा प्रदान करवाना सुनिश्चित करें।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 12 फरवरी से 26 फरवरी 2026 तक जनपद के सभी 15 विकासखण्डों में बैंक शाखा स्तर पर ऋण शिविर आयोजित होंगे। इसमें जिला सहकारी बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य बैंकों की शाखाएं शामिल रहेंगी। शिविरों में संबंधित बैंक शाखा के प्रबंधक और ब्लॉक विकास अधिकारी की उपस्थिति में पात्र लाभार्थियों के ऋण प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि इस प्रकार के वित्तीय साक्षरता शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने में सहायता मिलेगी।

परिवार रजिस्टरों की गहन जांच, वर्ष 2003 के बाद जोड़े गए नामों का सत्यापन

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

जिले में परिवार रजिस्टरों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनियमितताओं की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में वर्ष 2003 के बाद परिवार रजिस्टरों में दर्ज की गई प्रविष्टियों की गहन जांच के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि वर्ष 2003 के बाद परिवार रजिस्टरों में शामिल हुए नए नामों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए। इसके लिए जिला एवं ब्लॉक स्तरीय समितियों को सक्रिय करते हुए समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जी प्रविष्टि की पहचान कर उचित कार्रवाई की जा सके।

ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष अभियान

जिलाधिकारी ने 16 फरवरी से 28 फरवरी तक जिलेभर में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर के कार्मिक ग्राम सभाओं का आयोजन कर परिवार रजिस्टरों का सार्वजनिक वाचन करेंगे। ग्राम सभाओं में आमजन की उपस्थिति में

रजिस्टरों का सत्यापन कराया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का भी इन्हीं बैठकों में सत्यापन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वास्तविक जरूरतमंद ही सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें और कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहे।

आकांक्षी ब्लॉक मोरी में भारत नेट परियोजना की समीक्षा

बैठक के दौरान विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आकांक्षी ब्लॉक मोरी में 'भारत नेट' परियोजना की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। संबंधित ग्राम पंचायतों और ग्राम विकास अधिकारियों को क्षेत्र में इंटरनेट कनेक्टिविटी की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी एकत्र कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए भारत नेट परियोजना की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह, अपर जिलाधिकारी मुक्त मिश्र सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

कैबिनेट मंत्री धनसिंह रावत ने विद्यार्थियों को बांटे गणवेश, चौरीखाल-मरगांव मोटर मार्ग का किया लोकार्पण

पथ प्रवाह, पौडी।

प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकासखंड खिर्सू के भ्रमण के दौरान शिक्षा एवं सड़क विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को गणवेश वितरित कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

कैबिनेट मंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चुठाणी में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय प्राथमिक विद्यालय चुठाणी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय इज्जर तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चुठाणी के छात्र-छात्राओं को गणवेश वितरित किए। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, सम्मान एवं आत्मविश्वास का महत्व बताते हुए निरंतर आगे बढ़ने को कहा। इसके उपरांत मंत्री ने ग्राम मरगांव में चौरीखाल से मरगांव मोटर मार्ग के डामरीकरण कार्य का 162.97 लाख रुपये की लागत से विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास, आवागमन की सुविधा तथा स्थानीय जनता की समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही मंत्री ने

प्राथमिक विद्यालय मरगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजकीय प्राथमिक विद्यालय मरगांव, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चोपड़ा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय नलई, राजकीय प्राथमिक विद्यालय गोदा तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मरगांव के छात्र-छात्राओं को भी गणवेश वितरित किए।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक छात्र-छात्रा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवश्यक सुविधाएं भी समय पर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि गणवेश वितरण जैसी पहल से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे गांवों तक विकास की धारा पहुंचे और आमजन को सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com